लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1914

30 जुलाई, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग पर कोविड का प्रतिकूल प्रभाव

1914. श्री तापिर गाव:
श्री वाई.एस.अविनाश रेड्डी:
श्री फिरोज वरुण गांधी:
श्री लल्लू सिंह:
श्री नरेन्द्र कुमार:
श्री अब्दुल खालेक:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कोविड ने देश में कपास, हथकरघा, विद्युतकरघा और बुनाई उद्योग सहित वस्त्र उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है;

(ख) यदि हां, तो क्या हथकरघा और बुनाई उद्योग की ऐसी कई इकाइयां या तो बंद हैं या बंद होने के कगार पर हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वस्त्र इकाइयों को राज्य-वार कितना लाभ/हानि हुई है;

(ग) क्या सरकार ऐसी छोटी इकाइयों को पुनर्जीवित करने के लिए कोई प्रयास कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी इकाइयों को कितनी सहायता प्रदान की गई है;

(घ) किन योजनाओं के तहत सहायता प्रदान की जा रही है;

(ङ) उत्तर प्रदेश में विद्युतकरघा को कितनी निधि उपलब्ध कराई गई है; और

(च) वर्ष 2020-21 के दौरान सूती वस्त्र का माह-वार उत्पादन कितना रहा?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) तथा (ख): कोविड-19 वैश्विक महामारी ने सामाजिक सभाओं पर प्रतिबंध, श्रमिकों के प्रवासन, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा जैसी कठिनाइयों ने वस्त्र क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे मूल्य श्रृंखला में किसानों से लेकर व्यापारियों/निर्यातकों तक सभी हितधारक प्रभावित हुए हैं। तथापि, समय के साथ स्थिति सुधरी और उत्पादन तथा निर्यातों में वृद्धि हुई है। हथकरघा क्षेत्र देश के संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों में फैले हथकरघा बुनकरों का एक असंगठित क्षेत्र है। इसकी असंगठित प्रवृत्ति के कारण बंद हो चुकी अथवा बंद होने वाली हथकरघा इकाइयों के बारे में केंद्रीकृत आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

(ग) तथा (घ): भारत सरकार हथकरघा के विकास और बुनकरों के कल्याण के लिए निम्निलखित योजनाएं कार्यान्वित कर रही हैं:

(i) राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी);

(ii) व्यापक हथकरघा कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस);

(iii) हथकरघा बुनकर व्यापक कल्याण योजना (एचडब्ल्यूसीडब्ल्यूएस);

(iv) यार्न आपूर्ति योजना (वाईएसएस);

उपरोक्त योजनाओं के तहत, विदेशी बाजारों के साथ-साथ घरेलू बाजार में कच्चे माल, करघों और उपस्करों की खरीद, डिजाइन नवप्रवर्तन, उत्पाद विविधीकरण, अवसंरचना विकास, कौशल उन्नयन, इकाइयों में प्रकाश व्यवस्था, वस्त्र उत्पादों के विपणन के लिए पात्र एजेंसियों को वित्तीय सहायता और रियायती दरों पर ऋण प्रदान किया जाता है।

(ङ): उत्तर प्रदेश में विद्युतकरघा इकाइयों को जारी की गई निधि का विवरण:

योजना का नाम	**2014-15** रुपए में	**2015-16** रुपए में	**2016-17** रुपए में	**2017-18** रुपए में	**2018-19** रुपए में	**2019-20** रुपए में	**2020-21** रुपए में
स्व-स्थाने	255000	3920000	7200250	9112750	9679875	0	0
यार्न बैंक	3000000	5000000	10000000	0	0	0	0
कुल	**3255000**	**8920000**	**17200250**	**9112750**	**9679875**	**0**	**0**

(च): वस्त्र क्षेत्र की असंगठित प्रवृत्ति के कारण कॉटन वस्त्र उत्पादन का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। तथापि, वर्ष 2020-21 हेतु कॉटन यार्न के माह-वार अनुमानित उत्पादन का आंकड़ा निम्नलिखित है:-

वर्ष 2020-21(अनं.) के दौरान कॉटन यार्न की अनुमानित उत्पादन										
										(मिलियन कि.ग्रा.)
***अप्रैल* 20-*जून*-20**	**जुलाई-20**	**अगस्त-20**	**सितंबर-20**	**अक्तूबर-20**	**नवंबर-20**	**दिसंबर-20**	**जनवरी-21**	**फरवरी-21**	**मार्च-21**	**कुल**
761.58	285.08	293.54	307.54	309.22	312.57	340.87	339.8	336.01	338.89	3625.1

***